



**Program Structure & Course Content in the subject Hindi  
Teaching and evaluation pattern**

**Course :** Discipline Specific Course (DSC)  
**Programme :** BA  
**Semester :** VI<sup>th</sup> {Discipline (core) A12 , Discipline (core) A13 ,  
 Discipline (core) A14 & Internship}

Semester VI								
Sl no	Course code	Title of the Course	Category of Courses	Teaching Hours per week	SEE	CIE	Total Marks	Cre dits
1	Discipline (core) A12	Sahitya Shastra, Chand aur Alankar साहित्य शास्त्र, छन्द और अलंकार	DSC	4hours	60	40	100	4
2	Discipline (core) A13	Bharateey Sahitya भारतीय साहित्य	DSC	4hours	60	40	100	4
3	Discipline (core) A14	Bhasha Vijnyan भाषा विज्ञान	DSC	4hours	60	40	100	4
4	Discipline Specific	Internship Discipline Specific	DSC	90 contact hours	-	-	-	2

  
**Chairperson**  
 Dept. of PG Studies & Research in Hindi  
 Gulbarga University, Kalburgi - 6  
 Karnataka

Discipline Specific Course (DSC) A12  
साहित्य शास्त्र, छन्द और अलंकार

➤ Pedagogy:

व्याख्यान, संवाद एवं बहस, सामूहिक चर्चा, रचनात्मक अभिव्यक्ति कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति, परिवेष का सृजन आय.सी.टी. का प्रयोग, दृश्य श्रव्य माध्यमों का उपयोग, क्षेत्रीय कार्य।

➤ Course Outcomes:

- ⇒ भारतीय काव्य शास्त्र की विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी।
- ⇒ कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा।
- ⇒ भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन की समझ विकसित होगी।
- ⇒ भारतीय काव्य शास्त्र की जानकारी से आलोचनात्मक चिंतन का निर्माण होगा।

**Detailed Syllabus :**

Marks: 60 (Five units of 12 Marks each)

**Unit 1: साहित्य:-** अर्थ, स्वरूप, परिभाषा  
साहित्य और जीवन, साहित्य और समाज,

**Unit 2: भारतीय साहित्यशास्त्र का अभ्यास:**

- ⇒ भारतीय साहित्यशास्त्र: उद्भव और विकास,
- ⇒ भारतीय साहित्यशास्त्र: विविध संप्रदाय (: रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति संप्रदाय)
- पाश्चात्य साहित्य शास्त्र का अभ्यास:**
- ⇒ पाश्चात्य साहित्य शास्त्र: उद्भव और विकास,
- ⇒ पाश्चात्य साहित्य शास्त्रज्ञों का अभ्यास: प्लेटो, लॉजाइन्स, क्रोचे, टी.एस.इलियट, मैथ्यू अर्नाल्ड

**Unit 3: काव्य की परिभाषा एवं लक्षण, काव्य के भेद, काव्य हेतु, काव्य प्रेरणा और प्रयोजन**

**Unit 4: छन्द शास्त्र का अभ्यास:**

- ⇒ छन्द की परिभाषा, छन्दों के प्रकार-
- ⇒ मात्रिक छन्द: दोहा, सोरठा, चौपाई, गीतिका
- ⇒ वर्णिक छन्द: मालिनी, मंदाक्रान्ता, इन्द्रवज्रा, शार्दूलवि क्रीडित

**Unit 5: अलंकार शास्त्र का अभ्यास:**

- ⇒ अलंकार: परिभाषा, अलंकारों के प्रकार-
- ⇒ शब्दालंकार के भेद: अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
- ⇒ अर्थालंकार के भेद: उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विरोधाभास

  
Chairperson  
Dept. of PG Studies & Research in Hindi  
Gulbarga University, Kalburgi - 6

**Parameters for the evaluation**

- Continuous Internal Evaluation (CIE) IA : total: - 40 Marks
  - C1:A:Session Test(Written) - 15 Marks
  - C1:B : seminar/Quiz/Group Discussion - 05 Marks
  - C2 :A: Session Test(Written) - 15 Marks
  - C2:B: Case Study/Assignment/field work/Project work - 05 Marks
- C3 (Semester End Examination (SEE) 2 hrs duration total: 60 Marks
  - I. total two analytical or descriptive questions from unit 1 & 2 (with internal choice) 12X2= 24
  - II. total two essay type questions from unit 3 & 4 ( with internal choice) 12X2=24
  - III. total two Short answer questions from unit-5 06x2= 12

**Total= 60**

**References :**

1. काव्यशास्त्र- भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. काव्य के रूप- गुलाबराय
3. हिंदी काव्य शास्त्र की परंपरा- डॉ. विश्वनाथ पांडेय
4. भारतीय काव्यशास्त्र - योगेन्द्र प्रताप सिंह
5. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा: - डॉ. नगेंद्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत-डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन
7. भारतीय काव्यशास्त्र-डॉ. विश्वभरनाथ उपाध्याय
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: इतिहास सिद्धांत और वाद-भगीरथ मिश्र-शब्द अशोक विहार, फेज नई दिल्ली
9. रस छंद अलंकार-धर्मपारायण पाण्डेय: जयभारती प्रकाशन, माया प्रेस रोड, इलाहाबाद
10. रस सिद्धांत और सौन्दर्यशास्त्र : निर्मला जैन: वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली दृ

  
**Chairperson**  
 Dept. of PG Studies & Research in Hindi  
 Gulbarga University Kalburgi - 6  
 Karnataka

**Discipline Specific Course (DSC) A13**  
**भारतीय साहित्य**

➤ **Pedagogy:**

ब्याख्यान, संवाद एवं बहस, सामूहिक चर्चा, रचनात्मक अभिव्यक्ति कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति, परिवेश का सृजन आय.सी.टी. का प्रयोग, दृश्य श्रव्य माध्यमों का उपयोग, क्षेत्रीय कार्य।

➤ **Course Outcomes:**

- ⇒ भारतीय साहित्य की अवधारणा की समझ विकसित होगी।
- ⇒ भारतीय साहित्य की विविध विधाओं में रचित साहित्य के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
- ⇒ भारतीय साहित्य के समान तत्वों की समझ विकसित होगी।

**Detailed Syllabus :**

Marks: 60 (Five units of 12 Marks each)

**Unit 1:**

- ⇒ भारतीय साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- ⇒ भारतीयता की अवधारणा
- ⇒ भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
- ⇒ भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
- ⇒ भारतीय साहित्य में राष्ट्रीयता का भाव
- ⇒ भारतीय साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

**Unit 2: कन्नड उपन्यास:**


- ⇒ कन्नड उपन्यास: उद्भव और विकास, उपन्यासों के प्रकार
- ⇒ अभ्यास के लिए निर्धारित उपन्यास :  
शिकारी : यशवंत चित्तलाल: अनुवाद: प्रो. भालचन्द्र जयशेट्टी

**Unit 3: मराठी नाटक साहित्य:**

- ⇒ मराठी नाटक: उद्भव और विकास, नाटकों के प्रकार

**Unit 4: मराठी नाटक :**

- ⇒ अभ्यास के लिए निर्धारित नाटक:  
खामोश, अदालत जारी है-विजय तेंडुलकर: अनुवाद:

  
**Chairperson**  
 Dept. of PG Studies & Research in Hindi  
 Gulbarga University, Kalburgi - 6  
 Karnataka

**Unit 5: बंगला काव्य :**

⇒ बंगला काव्य: उद्भव और विकास  
अध्ययन के लिए निर्धारित बंगला कवि और उनकी कविताएँ

रविन्द्रनाथ टैगोर की कविताएँ:

1. चल तू अकेला
2. अनसुनी करके
3. विपदाओं से रक्षा करो यह न मेरी प्रार्थना
4. नहीं माँगता
5. रोना बेकार है

**Parameters for the evaluation**

- **Continuous Internal Evaluation (CIE) IA :** Total: - 40 Marks
  - C1:A: Session Test (Written) - 15 Marks
  - C1:B : seminar/Quiz/Group Discussion - 05 Marks
  - C2 :A: Session Test (Written) - 15 Marks
  - C2:B: Case Study/Assignment/field work/Project work - 05 Marks
- **C3 (Semester End Examination (SEE) 2 hrs duration total: 60 Marks**
  - I. total two analytical or descriptive questions  
from unit 1 & 2 (with internal choice) 12X2= 24
  - II. total two essay type questions  
from unit 3 & 4 (with internal choice) 12X2=24
  - III. total two Short answer questions form unit-5 06x2= 12

**Total= 60**

**References :**

- 1 भारतीय साहित्य की भूमिका-रामविलास शर्मा
- 2 भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ-रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली.
- 3 भारतीय साहित्य-डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, डॉ. प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपूर
- 4 भारतीय साहित्य की अवधारणा-डॉ. राजेन्द्र मिश्र तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- 5 भारतीय साहित्य-डॉ. ब्रजकिशोर सिंह-प्रकाशक-समवेत प्रकाशन, कानपूर
- 6 भारतीय साहित्य-डॉ. प्रतिभा मुदलियार, अमन प्रकाशन, कानपूर
7. साहित्य संस्कृति और भारतीयता: डॉ. ए. अरविंदाक्षन, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा.

*Chairperson*  
Dept. of PG Studies & Research in Hindi  
Gulbarga University, Kalburgi - 6

भाषा विज्ञान

➤ Pedagogy:

व्याख्यान, संवाद एवं बहस, सामूहिक चर्चा, रचनात्मक अभिव्यक्ति कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति, परिवेष का सृजन आय.सी.टी. का प्रयोग, दृश्य श्रव्य माध्यमों का उपयोग, क्षेत्रीय कार्य।

➤ Course Outcomes:

- ⇒ भाषा विज्ञान से संबंधित विश्लेषण संबंधी समझ विकसित होगी।
- ⇒ भाषा की विशेषताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- ⇒ भाषा विज्ञान की शाखाओं के अध्ययन के द्वारा भाषा व्यवहार संप्रेषण आदि का ज्ञान प्राप्त होगा।
- ⇒ भाषा के सामाजिक विश्लेषण की क्षमता निर्माण होगी।

**Detailed Syllabus :**

Marks: 60 (Five units of 12 Marks each)

**Unit 1:**

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, लिखित और उच्चरित भाषा, भाषा और बोली, भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा की उत्पत्ति, भाषा परिवर्तन के कारण।

**Unit 2** भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ-वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

**Unit 3: स्वन विज्ञान:**

स्वन प्रक्रिया, स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ  
ध्वनि यंत्र, ध्वनि अवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वन-गुण, स्वनिमिक परिवर्तन, स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, परिभाषा, स्वनिम के भेद, ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, ध्वनि नियम।

**Unit 4: रूप विज्ञान:**

रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद-मुक्त, आवद्ध अर्थदशी और संबंध दर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य, वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्वितभिधान, वाक्य के भेद।

**Unit 5: अर्थविज्ञान:**

अर्थविज्ञान-अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ, भाषाओं का आकृतिमूलक वर्गीकरण।

**Parameters for the evaluation**

• Continuous Internal Evaluation (CIE) IA :	Total:	- 40 Marks
C1:A:Session Test(Written)		- 15 Marks
C1:B : seminar/Quiz/Group Discussion		- 05 Marks
C2 :A: Session Test(Written)		- 15 Marks
C2:B: Case Study/Assignment/field work/Project work		- 05 Marks
• C3 (Semester End Examination (SEE) 2 hrs duration	total: 60 Marks	
I. total two analytical or descriptive questions		
from unit 1& 2 (with internal choice)		12X2= 24
II. total two essay type questions		
from unit 3 & 4 ( with internal choice)		12X2=24
III. total two Short answer questions from unit-5		06x2= 12
		<b>Total= 60</b>

**References :**

1. भाषा विज्ञान-भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
2. सामान्य भाषा विज्ञान-बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3. भाषाविज्ञान एवं भाषा शाखा-डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. भाषा विज्ञान की भूमिका-देवेन्द्रनाथ शर्मा-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. भाषा विज्ञान:सैद्धांतिक चिंतन: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव-राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

## Internship for Graduate Programme ( As per UGC & AICTE )

### VI<sup>th</sup> Semester. ( Discipline Specific )

Course title	Internship Discipline specific
No of contact hours	90
No credits	2
Method of evaluation	Presentations/Report submission/Activity etc.,

- ❖ Internship shall be Discipline Specific of 90 hours (2 credits) with a duration 4-6 weeks.
- ❖ Internship may be full-time/part-time (full-time during semester holidays and part-time in the academic session)
- ❖ Internship mentor/supervisor shall avail work allotment during 6th semester for a maximum of 20 hours.
- ❖ The student should submit the final internship report (90 hours of Internship) to the mentor for completion of the internship.
- ❖ The detailed guidelines and formats shall be formulated by the universities separately as Prescribed in accordance to UGC & AICTE guidelines.